*७*७॥ लूट्य.प्रिय.योअज.पश्चैयोय.उर्ज्यु.प.श्रुद्ध्य.घट.।

शचर रूप् नाध्य जलन तर् लुचाका अध्य मुँज में अपूर्या की लूर अधिन हुज न मैं या अध्य में अधिन हुज न मैं या अध्य म

## ह्रव.यहूरी

है उन्नियाश्चरिक्षित्रक्षराम्यामी वर्षे के प्रत्याच्या विक्रेया भवता । इ. उन्नियाश्चरिक्षाक्षराम्यामी वर्षे के प्रत्याच्या क्षेत्र प्रत्ये के अधिराज्य प

भुम्र्नोजुर्गदिवीतावनश्चर्जुर्भेवतंत्रायस्वर्यर्यररर्भे। जीश्यावृष्यत्रस्युर्भम्यरत्यानेरातुष्यवयत्रत्रीयवयत्रमायक्रेयः व्राप्तित्राविष्यान्त्रीयात्र्यान्त्रीयात्र्यान्त्रीयात्र्यान्त्रीयात्र्यान्त्रीयात्र्यान्त्रीयात्र्यान्त्रीयात्र्यान्त्रीयात्रीयात्रम् व्यायम् निर्वाचित्रवित्वत्वत्वाच्या वित्तर्वे निर्वाचित्र

क्रियामपामनानी द्वरः सहरत्रबहुव क्रीयदोयपायर क्रियानीर एकेयानार्हेर क्रुयः स्वराजित क्रेन्द्रव के पश्चेद दिवर के प्रतिवाधिया

भूग मोर्ट्स अफुम क्रिय क्रिय

पूर क्रू मर धेर 'त्रवा जवा जवा जवा का क्षेत्र में ज्ञाव जव विश्व क्षेत्र क

र्वोद्यान्नार्थार्वेच वद्यान्त्रा स्टर्स्स वद्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्रेच स्वत्यान्त्रेच स्वत्यान्त्रच स्वत्यान्त्

चोर्य अर्था अर्थ केर अर्थर रे. क. कुर्या अ. कुर्य विश्व सिया सर्वे चार्य सिया सर्वे स्था सिया सर्वे स्था सिया स

# र्देव:र्क्व:दर:यी

वर्चा मुद्दे देनाया के देला हुन के प्राप्त क प्रवित यत र्ह्य महिना मीश महिना यस सूर्य की २५-नेश २६व प्रति सुर्हे एक यम येव प्रमुस द्वींश प्राथी।

#### र्देव:क्व्यम्बिशया

मुक्तिमा के दिन्या अवस्तिन स्वायक्षित देशव वावयक्ष्य दिन्य स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स्वायन स् सुक्तिमा स्वायन स्व

चार बुचा श्रेट रूप स्टा चुम्नम् रचरा के मुश्लेय अरमा नक्ष के सूची है कि राम भारती ना ने बिट स्टा श्रेट मानवी। र टिर के मानवानमा मानविमान बिना सराम हर्व सुव सार्टा के हुँचीमा जूनी है सोवमान सरामित सराम मोनवान मानवान सम्म

#### ट्रेब.क्ब.चाश्चभागा

भ्रैन्त्रप्रप्रत्येवा उक्कुन्तर्यः। स्टार्ययराजभ्रीत्या अवस्त्राचर् भ्रीरायकवा क्रीभ्रवायराज्या।

### र्देब र्क्ष्व प्रविधा

### ट्रेब.क्ब.कं.ता

शुःलव सुर सवस्य महेर महेर महिर महिर महिर हे मुक्ति हो से कि जिस के अपने का स्वर्ध के महिर हिर महिर महिर के महिर

# र्देव:क्वंदियाःग

भुै म् र र र मुंभा के अर्थ था नार उर्द विन हिनर उर्मा न भी विन कर के लिए के कि कि कि कि कि कि कि कि

## र्ट्रब.क्ब.नट्रब.न।

ट्रिल्टी। मुच्च उद्दे जमानमञ्जून दे उद्देद क्षेत्रावित क्षेत्राव द्रम्भावाद सद्देश दे ते दे के दे द्रमेश क्षेत्र क्षेत्र मुच्च विषय उद्देश क्षेत्र क्षेत्र

## र्ट्रेब.क्ब्र.चक्क्ट्र.चा

दम्भा की में नियम में मार्ग

## र्देव:क्व:दशु:धा

श्रात्त्रव पर पर्वत-विनाव क्षेत्रा वहें व पन्न रहता । हे ह्या । पर व क्षेत्र व पन्न हो र पापर व क्षेत्र पापर व

र्देब:क्ब-परु:पा

र्देव:र्क्ज:पठु:माठैमा:पा

मोर्ट्र स्वानक्षां अस्ति । मार्ट्स स्वानक्षित्र स्वानक्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वानक्ष्य स्वानक्ष्य स्वानक्ष्य स्वानक्ष्य स्व मार्ट्स स्वानक्ष्य स्वानक्ष्य स्वानक्ष्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वानक्ष्य स्व

र्ट्रेब क्वं परु या है या है या है

र्ट्रब.क्ब.चश्च.चश्चमा

भ्रेप् र. र. र. में नावत मुन्द्र मा अक्षमा वटाकूटमा शान्तीमा निया निया होते ता तथा में र. की यटा मूर्य सराम्री

भ्रेप्, र, र्र-र-र-तिग्रम्, त्याती त्याती त्याती त्याती त्याती हो र मूर्य हो र त्याती विष्य त्याती हो र त्याती

र्देब:क्ब्य:परु:पन्नि:प।

भ्रे म् मुम्म म्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त

. इत्तर्घर ५५ जन्देष व्यासित हेर्च यातुर त्रावित्रय त्यायाच्या अभ्यासित स्यासित हुर्याया चीता है. हुर्याय ही हिर्

र्देव:क्व.पर्यः संग

श्चे में में में में भाषा हैया वर्ष द द्वीय पर है विन वर वर्ष द

श्रामार मीया मार दिना मी किया मन कृत सर जरूर जुर कीया उसूमा रायर । यह त्य देव किया मन जह तक्षेत्र की कृत सर जया ने उसूमा ने देव से स्वाय की क्रिया ।

र्ट्रब.क्ब.नरु.चैम.ना

पन्य से मिर्ग माथ र र र्पर माथ के कर के र के र मिर्ग प्राप्त कर के र के र मिर्ग प्राप्त कर से मार्थ प्राप्त कर के र मिर्ग कर के र मिर्ग प्राप्त कर मिर्ग प्राप्त कर के र मिर्ग प्राप्त कर के र मिर्ग प्राप्त कर मिर्ग प्राप्

. होअ.क्ट्र वे.स्ट.पर्लय हो.याब. इ.र्जव.तपु इ.क्व्य यश्चा.ह्ये.ज.हो.क्ट्याश.ता.ब्रेया.ल्य.ब्रेट.। चे.ज.क्ट्याश.इ.स्ट.। क्यायपायाब्द.यश.सेट.स्रेट होट. ट्यूश होस्प ट्याट जूटी।

र्ट्रव.क्व.पश्च.पर्टेव.ता

श्री स्वित सुर स्टर मी सामस्त्र हि से स्टर्भित स्वर सुर विश्वासम्बद्धित स्वर्भित सुन स्वर्भित सुन स्वर्भित स्व

श्रि.चोर.चीश.चोर.खेवो.ची.कायम.रेत्यर.चर्च्य.उर्जुचो.चेर.तदुःमुचोशःश्रु.कुर्चा ।

र्ट्व.क्व.पर्व.पर्मेट.तो

टीयर प्रथम क्रिया है जूरी। टीमाथेम मुम्मेर हिन्देश समी लय मिराज्या प्रथम क्रिया क्रिया के मिराज्या के क्षिया के क्षिया क्षिया क्षिया के क सम्बद्ध स्थाप के क्षिया के क्षिया के क्षिया के क्ष्य के क्षिया के क्षिया के क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्ष्य क्षय

र्देव:र्क्व:पठु:दशु:पा

त्तर.चीबर दूब चीट.लट.सैट.च.ए.सूब्य.चीय.ब्रैंज.चट.चयम.चीबु.सॅज.च्या | उक्क.च। जुब.त.चश्च.तु.चट.स्याय.कट.ब्रैंट.जूटी। भु.च्.इ.इ.इ.चयम.सूचीक्रूट.च.चेट.। चयम.ब्रेंच.सर्च्य.च्.इंट.जु.स्ट.च.स्यूची ह्य.घट.दु.बेट.चायब.कुम.स्चीय.जच्यम्

र्देब:र्क्बक्रि:-वुःपा

श्रात्त्रवः त्यः भ्रीतः स्थाः महिनाः हाः श्राः स्थानाः स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य ।

र्देव:र्क्ज्व:क्रेन:यारीया:या

क्ट्नार्यस्य केट्राय्यायस्यात्रस्य स्वत्यास्य स्वत्यायस्य विषयात्रीया विषयात्रीया विषयात्रीया स्वत्यात्रस्य वि

शभाक्ति दुर्य महितेथा। योगर मन्दर। सर नेमर स्व के दुर्य महिनेदार जामहेवियाल यो जव महेस नेमुखार कुवी। शुक्रम मुजिर्दर महिन महिन महिन स्व प्रमुखार कुवा महिन स्व प्रमुखार कुवा महिन प्रमुखार कुवा महिन प्रमुखार कुवा

र्देव:र्क्रव:क्रेन्टमाक्रीश:या

मुक्तिमा देवामालुम् मान्यका क्षेत्र मुक्तिमान स्वाप्त स्वाप्त

र्देव:क्वं ने र माश्रुवाया

क्ट्-अर-द्रि-विद्-नाद-लट-अर-तर् क्रिवायमा देव वद्-अर्द्ध-राज्या स्वीयविद्-अर्य-मेर्ग्याय क्रिवायमा स्वी

द्रभ चैर व क्रिक्स अप ८ में त क्रुत् के महिर भी देश हैं त देश हैं त देश के स्थाप कर क्रिक्स के स्थाप कर क्रुप अप देंग चैर क्रिक्स अप ८ में त क्रुप्त के महिर भी देश हैं त देश के स्थाप कर क्रिक्स कर क्रुप्त कर क्रुप्त कर क

श्रीताय में स्टर्स में विषय सिर्म स्ट्रिय के र स्ट्रूर से या अध्यास्त्रीय अपनि स्टर्स के या स्ट्रीय स्ट्रूम अपनि स्टर्स से या स्ट्रीय स्ट्रूम अपनि स्टर्स से या स्ट्रीय स्ट्रूम अपनि स्टर्स से अपनि से अपन

र्देब:र्क्ब:क्रेर:पर्व:पा

श्रात्रव स्टाजमानादिरमा कूर् अर्यामा स्टाजमान स्टाजमान स्वाप्त स्वाप्त स्वत् स्वाप्त स्वत् स्वाप्त स्वाप्त स्व

र्देब.क्ब.धेर.कंता

मुंद्रशत्तर्तु हुंद्र मुंद्रा मेश राज्याय प्रथम अभा चार्ष्य देना स्टमी बैश तथ मुंद्र तुर्व क्षेत्र प्रमान स्वाद रचुचारा देश कुंद्र स्वयं मेदरानुमा द्युशतर मुंद्रा स्टल्ट्रा देर्जुशालया माम्यूस सद्भा वर्षा क्षेत्र स्वाध्याय भूष्य स्टल्ट्रा स्टल्प्र स्वयं मेदरानुमा द्युशतर मेद्रा स्टल्ट्रा स्टल्ट्रा स्वयं मेद्रा स्वयं स्वयं क्षेत्र स्वयं स

लूट्याजार्थी कूचेवाजी सेट स्रेच उट्टा कर्ष्ट्या ट्यूयानाजु सूच ट्याट जूटी। बाजात्टा, विसीचा चार्यका सेट्याजार सुचीवाचवराजी से हूचावाट्टा, जूचीवाट्याच्यूयाचट जूट हुटा, कट वाचमैच यवववा, नुभूय उन्तेजच किट चाजवायहवाराचीट सेटालट चीची

र्ट्व.क्व.क्रेन.ट्या.ना

मध्यार्थिय वर्षा प्रतिन्ति । अस्ति प्रतिन्ति प्रमानिक प्रतिनेत्र प्रतिनेत्य प्रतिनेत्र प्रतिनेत्र प्रतिनेत्र प्रतिनेत्र प्रतिनेत्र प्रतिन

मोर्ट्र ट्रमुन्यान्तर्थः वृत्तर्भिवावयः स्थानायान्त्री देशभैनाम्यानम् र्ट्या स्था कृत्रकृत्यामञ्चानस्य द्वयः यापवार्श्वयः वेश्वर्मन्त्राम् विद्यायस्य न्वेश्वर्षस्य भूतिकृतिकृतिकृतिकृतिकृतिकः विद्यायस्य विद्यायस्य प्रतिकृतिकः स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य

तः अक्टूबान्य न्यानी संस्था स्थावा व्यविवास्त्र स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थिता

र्देव:क्वं:क्रेर:मरुव:मा

भुेर्चे रेरे रेरे में के बिना के देवा मानुर वर्के में बेर पर प्राप्त मानुमाय पर किया है से प्राप्त मानुमाय किया मानुमाय किय

भ्रीम् इन्द्रम् स्थान्ता क्षा मुद्रम् मानवर्षा भ्रम्भ स्थानवर्षा मानवर्षा म

र्देब:र्क्ब:क्रेर:पशुर:पा

भुम् म् म् मानानाम् वात्राप्तम् कृषेत् वर्षः स्पर्वर्षः सर्वरायाण्यायाः अत्राश्चात्रः स्वात्रः स्वात्रः स्वात्र

र्देब:र्ळब:क्रेस:दशु:धा

भुम्रास्त्रास्य के क्रूचीय कुराया तयाव तवि सम्बुल पाया यावा है। हो स्वति विस्तु स्वतः स्वीया निया क्रुचित क्राया क्रिया विष्य क्रिया प्रायविष्य हिमाया विवास

लुवा नुःश्चर्राच्यः घटन्टा स्टान्तरः स्थानाम्यान्त्रन्तरः मित्रः भेत्रः अन्तर्भायः स्त्रेन्त्रायः स्त्रेन्त्रायः स्त स्त्राच्याः घटन्त्यः स्टान्तरः स्थान्याः स्वर्त्त्राच्याः स्त्रेन्त्रः स्त्राच्याः स्त्रेन्त्रः स्त्राच्याः स्

કૂન.ઘર.૮૮.1 ૪૮.૮ન૮.૮૮,૮મા.૧૪૪૧.ક્ર્રેન.ધ્રેન.ધ્રુનાબરી. ક. દુવ.૮૮.૮૪માંબ.લે.જા.ફ્રેનાબ.૮નાઝ.ક્રીઅ.ઝૂ૮બ.શે.ધુેટ.તહ.૪નામાં વાયવાલા ૧૬૬ન કૃત્

ट्रेंब.क्र्ब.शिम.त्रथे.ता

उचीमाचार मेर जाविया मैंदु मून बर हु सुर्याम सुर्या हुंच तहूंच ति चीर लर चीममाच प्रति हुंच राज का मूर्य हुंच का मैनापन तमा कुर्यामानी भुम्न स्वरंप हुंच कुर स्वरंप कुर स्वरंप कुर स्वरंप स्वरंप सुर्यामान स्वरंप में स्वरंप स